शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली अभ्यास प्रश्न पत्र (मध्यावधि परीक्षा) कक्षा-XII (2022-23)

विषय- राजनीति विज्ञान

अधिकतम अंक: 80

अवधि: 3 घंटे

सामान्य निर्देश:-

- 1. प्रश्न पत्र में कुल 31 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- 2. इस प्रश्न पत्र में A, B और C कुल तीन खंड हैं। खंड A में योग्यता आधारित, खंड B में वस्तुनिष्ठ व खंड C में वर्णनात्मक प्रश्न दिये गए हैं।
- 3. खंड A में 1 से 5 तक केस स्टडी आधारित, स्रोत और कार्टून आधारित कुल 5 प्रश्न दिये गए हैं। इनके उत्तर निर्देशानुसार दीजिये।
- 4. खंड B में 6-21 तक कुल 16 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गए हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।
- 5. खंड C में वर्णनात्मक प्रकार के 22-31 तक 2, 4 और 6 अंकीय प्रश्न दिये गए हैं। 2 अंकीय प्रश्नों के उत्तर 40 शब्दों में, 4 अंकीय प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में और 6 अंकीय प्रश्नों के उत्तर 150 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए। मानचित्र से संबन्धित प्रश्न का उत्तर निर्धारित प्रारूप के अनुसार दीजिये।

प्र. सं.	खंड-ए (योग्यता आधारित प्रश्न)	अंक
1	प्रश्न संख्या 1-2 केस-स्टडी (Case Study Based) आधारित हैं। इनका ध्यानपूर्वक अध्ययन कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिये- बिक्स (BRICS) को क्रमशः ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के लिए संदर्भित किया गया है। ब्रिक (BRIC) की स्थापना 2006 में रूस में हुई थी। वर्ष 2009 में अपनी पहली बैठक में दक्षिण अफ्रीका को शामिल किए जाने के बाद BRIC, (BRICS) ब्रिक्स में बदल गया। BRICS का मुख्य उद्देश्य अपने सदस्यों के बीच आपसी आर्थिक लाभों का सहयोग और वितरण करना है। इसके अलावा आपसी समानता और प्रत्येक राष्ट्र की आंतरिक नीति में गैर-हस्तक्षेप है। ब्रिक्स (BRICS) का 11 वां सम्मेलन ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो द्वारा 2019 में ब्राजील में संपन्न हुआ। 1.1 ब्रिक (BRIC) की स्थापना किस वर्ष में हुई ? a) 2003 b) 2006 c) 2009 d) 2011 1.2 ब्रिक्स की स्थापना का मुख्य उद्देश्य क्या है? A. आर्थिक सहयोग B. सामरिक सहयोग C. सांस्कृतिक सहयोग D. इनमें से कोई नहीं	4x1=4

	 1.3 किस देश को शामिल करने से ब्रिक, ब्रिक्स में परिवर्तित हो गया ? A. भारत B. रूस C. चीन D. दक्षिण अफ्रीका 1.4 ब्रिक्स का 11वां सम्मेलन (2019 में) कौन से देश में हुआ ? A. भारत B. रूस C. ब्राजील D. दक्षिण अफ्रीका 	
2	21 वीं सदी में पश्चिम एशियाई देशों में लोकतंत्र और लोकतंत्रीकरण के लिए नए विकास का उद्भव हुआ, एक ऐसी घटना अरब स्प्रिंग के रूप में दिखाई देती है जो 2009 में शुरू होती है। ट्यूनिशिया में स्थित अरब स्प्रिंग ने अपनी जड़ें जमा लीं, जहां जनता द्वारा भ्रष्टाचार, बेरोज़गारी और गरीबी के खिलाफ शुरू किया संघर्ष एक राजनीतिक आंदोलन में बदल गया क्योंकि जनता मौजूदा समस्याओं को निरंकुश तानाशाही के परिणाम के रूप में मानती थी। ट्यूनिशिया में शुरू हुई लोकतंत्र की मांग, पश्चिम एशिया में मुस्लिम बहुल अरब देशों में फैल गई। होस्नी मुबारक, 1979 से मिस्र में सत्ता में थे, बड़े पैमाने पर लोकतांत्रिक विरोध के परिणामस्वरूप सत्ता से हटा दिए गए। इसके अलावा, अरब स्प्रिंग का प्रभाव यमन, बहरीन लीबिया और सीरिया में भी देखा जा सकता है, जहां लोगों के इसी तरह के विरोध प्रदर्शन से पूरे क्षेत्र में लोकतांत्रिक जागृति पैदा होती है।	4x1=4
	2.1 किस वर्ष पश्चिम एशियाई देशों ने लोकतंत्र और लोकतंत्रीकरण के लिए नए विकास का उद्भव देखा? A. 1979 B. 1989 C. 2009 D. 2019 2.2 ट्यूनीशिया में संघर्ष का मुख्य एजेंडा क्या था जो राजनीतिक आंदोलन में बदल गया ? A. भ्रष्टाचार B. बेरोजगारी	
	C. गरीबी	

D. महंगाई

2.3 पश्चिम एशियाई देशों में वह पहला देश कौन सा था जिसने लोकतंत्र की माँग की? A. ट्यूनीशिया B. यमन C. बहरीन D. लीबिया 2.4 1971 में मिस्र में किसने सता हासिल की? A. होस्ली मुबारक B. शेख मुबारक C. शेख अब्दुल्ला D. मुबारक अब्दुल्ला D. मुबारक अब्दुल्ला चेंच संख्या 3.4 स्रोत आधारित (Source Based) हैं। इनका ध्यानपूर्वक अध्ययन कर इस पर आधारित प्रश्तों के उत्तर दीजिये- 3 विश्व की राजनीति में अब भी विभिन्न देशों के बीच मौजूद पुरानी ईच्यां और प्रतिद्वंदिता की दखल हैं। राज्य कानून और व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अपने अनिवार्य कार्यों को पूरा कर रहे हैं और बहुत सीच समझकर अपने कदम उन्हीं दायरों में दायरों से खींच रहे हैं जहां उनकी मर्जी हो । राज्य अभी भी महत्वपूर्ण बने हुए हैं। वस्तुतः कुछ मायनों में वेश्वीकरण के फलस्वरूप राज्य की ताकत में इज़ाफा हुआ है अब राज्यों के हाथ में अत्याधुनिक प्रोद्योगिकी मौजूद हैं जिसके बूते राज्य अपने नागरिकों के बारे में सूचनाएं जुटा सकते हैं। (i) वैश्वीकरण के वावजूद भी समकालीन विश्व राजनीति में राज्यों की प्रासंगिकता किस प्रकार बनी हुई हैं? 4 दूसरे विश्वयुद्ध के बाद शीतयुद्ध का दौर चला और इस दौर में संयुक्त राष्ट्र अमरीका के नेतृत्व वाला पश्चिमी गृट तथा सोवियत संघ की अगुवाई वाला साम्यवादी गृट एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय था। इसके अतिरिक्त, कुछ यूरोपीय देशों को अपने उपनिवेशों में उपनिवेशोकृत जनता के खून-खराबे की चिता भी साता रही थी। अब ये लोग आजादी चाहते थे। (i) संयुक्त राष्ट्र अमरीका तथा सोवियत संघ को एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय कर्या था? (ii) उपनिवेशोकृत देशों की यूरोपीय देशों से आजादी प्राप्त करने के पीछे क्या मंशा थी?			
B. यमल C. बहरीन D. लीविया 2.4 1971 में मिस में किसने सता हासिल की? A. होस्नी मुबारक B. शेख मुबारक C. शेख अब्दुल्ला D. मुबारक अब्दुल्ला D. मुबारक अब्दुल्ला D. मुबारक अब्दुल्ला 3 विश्व की राजनीति में अब भी विभिन्न देशों के बीच मौजूद पुरानी ईर्ष्या और प्रतिद्वंदिता की दखल हैं। राज्य कानून और व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अपने अनिवार्य कार्यों को पूरा कर रहे हैं और बहुत सोच समझकर अपने कदम उन्हीं दायरों में दायरों से खींच रहे हैं जहां उनकी मर्ज़ी हों। राज्य अभी भी महत्वपूर्ण बने हुए हैं। वस्तुतः कुछ मायनों में वैश्वीकरण के फलस्वरूप राज्य की ताकत में इज़ाफा हुआ है अब राज्यों के हाथ में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी मौजूद है जिसके बूते राज्य अपने नागरिकों के बारे में सूचनाएं जुटा सकते हैं। (i) वैश्वीकरण के बावजूद भी समकालीन विश्व राजनीति में राज्यों की प्रासंगिकता किस प्रकार बनी हुई है? 4 दुसरे विश्वयुद्ध के बाद शीतयुद्ध का दौर चला और इस दौर में संयुक्त राष्ट्र अमरीका के नेतृत्व वाला पश्चिमी गुट तथा सोवियत संघ की अगुवाई वाला साम्यवादी गुट एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय था। इसके अतिरिक्त, कुछ यूरोपीय देशों को अपने उपनिवेशों में उपनिवेशोंकृत जनता के खून-खराबे की चिंता भी साता रही थी। अब ये लोग आजादी चाहते थे। (i) संयुक्त राष्ट्र अमरीका तथा सोवियत संघ को एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय वर्गों था?			
C. बहरीन D. लीबिया 2.4 1971 में मिस्र में किसने सता हासिल की? A. होस्नी मुबारक B. शेख मुबारक C. शेख अब्दुल्ला D. मुबारक अब्दुल्ला परेन संख्या 3-4 स्रोत आधारित (Source Based) हैं। इनका ध्यानपूर्वक अध्ययन कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिये- 3 विश्व की राजनीति में अब भी विभिन्न देशों के बीच मौजूद पुरानी ईर्ष्यां और अपने अन्वार्यं कार्यों को पूरा कर रहे हैं और बहुत सोच समझकर अपने कदम उन्हीं दायरों में दायरों से खींच रहे हैं जहां उनकी मर्जी हो । राज्य अभी भी महत्वपूर्ण बने हुए हैं । वस्तुतः कुछ मायनों में वैश्वीकरण के फलस्वरूप राज्य की ताकत में इज़ाफा हुआ है अब राज्यों के हाथ में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी मौजूद है जिसके बूते राज्य अपने नागरिकों के बारे में सूचनाएं जुटा सकते हैं। (i) वैश्वीकरण ने राज्य की क्षमताओं में किस प्रकार वृद्धि की है? (ii) वैश्वीकरण ने राज्य की क्षमताओं में किस प्रकार वृद्धि की है? (iii) वैश्वीकरण के बावजूद भी समकालीन विश्व राजनीति में राज्यों की प्रासंगिकता किस प्रकार बनी हुई है? 4 दूसरे विश्वयुद्ध के बाद शीतयुद्ध का दौर चला और इस दौर में संयुक्त राष्ट्र अमरीका के नेतृत्व वाला पश्चिमी गुट तथा सोवियत संघ की अगुवाई वाला सान्यवादी गुट एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय था। इसके अतिरिक्त, कुछ यूरोपीय देशों को अपने उपनिवेशों में उपनिवेशोंकृत जनता के खून-खराबे की चिंता भी साता रही थी। अब ये लोग आजादी चाहते थे। (i) संयुक्त राष्ट्र अमरीका तथा सोवियत संघ को एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय क्यों था?		·	
D. लीबिया 2.4 1971 में मिस में किसने सता हासिल की? A. होस्ली मुबारक B. शेख मुबारक C. शेख अब्दुल्ला D. मुबारक अब्दुल्ला D. मुबारक अब्दुल्ला D. मुबारक अब्दुल्ला प्रश्न संख्या 3-4 स्रोत आधारित (Source Based) हैं। इनका ध्यानपूर्वक अध्ययन कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिथे- 3 विश्व की राजनीति में अब भी विभिन्न देशों के बीच मौजूद पुराली ईर्ष्या और प्रतिद्वंदिता की दखल है। राज्य कानून और व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अपने अनिवार्य कार्यों को पूरा कर रहे हैं और बहुत सीच समझकर अपने कदम उन्हीं दायरों में दायरों से खींच रहे हैं जहां उनकी मर्ज़ी हो। राज्य अभी भी महत्वपूर्ण बने हुए हैं। वस्तुतः कुछ मायनों में वैश्वीकरण के फलस्वरूप राज्य की ताकत में इज़ाफा हुआ है अब राज्यों के हाथ में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी मौजूद है जिसके बूते राज्य अपने नागरिकों के बारे में सूचनाएं जुटा सकते हैं। (i) वैश्वीकरण ने राज्य की क्षमताओं में किस प्रकार वृद्धि की है? (ii) वैश्वीकरण के बावजूद भी समकालीन विश्व राजनीति में राज्यों की प्रासंगिकता किस प्रकार बनी हुई है? 4 दूसरे विश्वयुद्ध के बाद शीतयुद्ध का दौर चला और इस दौर में संयुक्त राष्ट्र अमरीका के नेतृत्व वाला पश्चिमी गुट तथा सोवियत संघ की अगुवाई वाला साम्यवादी गुट एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय था। इसके अतिरिक्त, कुछ यूरोपीय देशों को अपने उपनिवेशों में उपनिवेशोंकृत जनता के खून-खराबे की चिंता भी साता रही थी। अब ये लोग आजादी चाहते थे। (i) संयुक्त राष्ट्र अमरीका तथा सोवियत संघ को एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय क्यों था?			
2.4 1971 में मिस्र में किसने सत्ता हासिल की? A. होस्नी मुवारक B. शेख मुवारक C. शेख अब्दुल्ला D. मुवारक अब्दुल्ला D. मुवारक अब्दुल्ला प्रश्न संख्या 3-4 स्रोत आधारित (Source Based) हैं। इनका ध्यानपूर्वक अध्ययन कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिये- 3 विश्व की राजनीति में अब भी विभिन्न देशों के बीच मौजूद पुरानी ईर्ष्या और प्रतिद्वंदिता की दखल है। राज्य कानून और व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अपने अनिवार्य कार्यों को पूरा कर रहे हैं और बहुत सोच समझकर अपने कदम उन्हीं दायरों में दायरों से खींच रहे हैं जहां उनकी मर्ज़ी हो। राज्य अभी भी महत्वपूर्ण बने हुए हैं। वस्तुतः कुछ मायनों में वैश्वीकरण के फलस्वरूप राज्य की ताकत में इजाफा हुआ है अब राज्यों के हाथ में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी मौजूद है जिसके बूते राज्य अपने नागरिकों के बारे में सूचनाएं जुटा सकते हैं। (i) वैश्वीकरण ने राज्य की क्षमताओं में किस प्रकार वृद्धि की है? (ii) वैश्वीकरण के बावजूद भी समकालीन विश्व राजनीति में राज्यों की प्रासंगिकता किस प्रकार बनी हुई है? 4 दूसरे विश्वयुद्ध के बाद शीतयुद्ध का दौर चला और इस दौर में संयुक्त राष्ट्र अमरीका के नेतृत्व वाला पश्चिमी गुट तथा सोवियत संघ की अगुवाई वाला साम्यवादी गुट एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय था। इसके अतिरिक्त, कुछ यूरोपीय देशों को अपने उपनिवेशों में उपनिवेशीकृत जनता के खून-खराबे की चिता भी साता रही थी। अब ये लोग आजादी चाहते थे। (i) संयुक्त राष्ट्र अमरीका तथा सोवियत संघ को एक-दूसरे से सैन्य हमले का क्षय क्यों था सोवियत संघ को एक-दूसरे से सैन्य हमले का क्षय क्यों था?			
A. होस्नी मुबारक B. शेख मुबारक C. शेख अब्दुल्ला D. मुबारक अब्दुल्ला Tyen संख्या 3-4 स्रोत आधारित (Source Based) हैं। इनका ध्यानपूर्वक अध्ययन कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिये- 3 विश्व की राजनीति में अब भी विभिन्न देशों के बीच मौजूद पुरानी ईर्ष्या और प्रतिद्वंदिता की दखल है। राज्य कानून और व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अपने अनिवार्य कार्यों को पूरा कर रहे हैं और बहुत सोच समझकर अपने कदम उन्हीं दायरों में दायरों से खींच रहे हैं जहां उनकी मर्ज़ी हो। राज्य अभी भी महत्वपूर्ण बने हुए हैं। वस्तुतः कुछ मायनों में वैश्वीकरण के फलस्वरूप राज्य की ताकत में इज़ाफा हुआ है अब राज्यों के हाथ में अत्याधृनिक प्रौद्योगिकी मौजूद है जिसके बूते राज्य अपने नागरिकों के बारे में सूचनाएं जुटा सकते हैं। (i) वैश्वीकरण ने राज्य की क्षमताओं में किस प्रकार वृद्धि की है? (ii) वैश्वीकरण के बावजूद भी समकालीन विश्व राजनीति में राज्यों की प्रासंगिकता किस प्रकार बनी हुई है? 4 दूसरे विश्वयुद्ध के बाद शीतयुद्ध का दौर चला और इस दौर में संयुक्त राष्ट्र अमरीका के नेतृत्व वाला पश्चिमी गुट तथा सोवियत संघ की अगुवाई वाला साम्यवादी गुट एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय था। इसके अतिरिक्त, कुछ यूरोपीय देशों को अपने उपनिवेशों में उपनिवेशीकृत जनता के खून-खराबे की चिंता भी साता रही थी। अब ये लोग आजादी चाहते थे। (i) संयुक्त राष्ट्र अमरीका तथा सोवियत संघ को एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय क्यों था?		D. ભાષવા	
B. शेख मुबारक C. शेख अब्दुल्ला D. मुबारक अब्दुल्ला D. मुबारक अब्दुल्ला प्रश्न संख्या 3-4 स्रोत आधारित (Source Based) हैं। इनका ध्यानपूर्वक अध्ययन कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिये- 3 विश्व की राजनीति में अब भी विभिन्न देशों के बीच मौजूद पुरानी ईर्ष्या और प्रतिद्वंदिता की दखल है। राज्य कानून और व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अपने अनिवार्य कार्यों को पूरा कर रहे हैं और बहुत सोच समझकर अपने कदम उन्हीं दायरों में दायरों से खींच रहे हैं जहां उनकी मर्ज़ी हो। राज्य अभी भी महत्वपूर्ण बने हुए हैं। वस्तुतः कुछ मायनों में वैश्वीकरण के फलस्वरूप राज्य की ताकत में इज़ाफा हुआ है अब राज्यों के हाथ में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी मौजूद है जिसके बूते राज्य अपने नागरिकों के बारे में सूचनाएं जुटा सकते हैं। (i) वैश्वीकरण ने राज्य की क्षमताओं में किस प्रकार वृद्धि की है? (ii) वैश्वीकरण के बावजूद भी समकालीन विश्व राजनीति में राज्यों की प्रासंगिकता किस प्रकार बनी हुई है? 4 दूसरे विश्वयुद्ध के बाद शीतयुद्ध का दौर चला और इस दौर में संयुक्त राष्ट्र अमरीका के नेतृत्व वाला पश्चिमी गुट तथा सोवियत संघ की अगुवाई वाला साम्यवादी गुट एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय था। इसके अतिरिक्त, कुछ यूरोपीय देशों को अपने उपनिवेशों में उपनिवेशीकृत जनता के खून-खराबे की चिंता भी साता रही थी। अब ये लोग आजादी चाहते थे। (i) संयुक्त राष्ट्र अमरीका तथा सोवियत संघ को एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय क्यों था?			
C. शेख अब्दुल्ला D. मुबारक अब्दुल्ला D. मुबारक अब्दुल्ला प्रश्न संख्या 3-4 स्रोत आधारित (Source Based) हैं। इनका ध्यानपूर्वक अध्ययन कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिये- 3 विश्व की राजनीति में अब भी विभिन्न देशों के बीच मौजूद पुरानी ईर्ष्या और प्रतिद्वंदिता की दखल है। राज्य कानून और व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अपने अनिवार्य कार्यों को पूरा कर रहे हैं और बहुत सोच समझकर अपने कदम उन्हीं दायरों में दायरों से खींच रहे हैं जहां उनकी मर्जी हो। राज्य अभी भी महत्वपूर्ण बने हुए हैं। वस्तुतः कुछ मायनों में वैश्वीकरण के फलस्वरूप राज्य अभी भी महत्वपूर्ण बने हुए हैं। वस्तुतः कुछ मायनों में वैश्वीकरण के फलस्वरूप राज्य अभी भी महत्वपूर्ण बने हुए हैं। वस्तुतः कुछ मायनों में वैश्वीकरण के फलस्वरूप राज्य की ताकत में इज़ाफा हुआ है अब राज्यों के हाथ में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी मौजूद है जिसके बूते राज्य अपने नागरिकों के बारे में सूचनाएं जुटा सकते हैं। (i) वैश्वीकरण के राज्य की क्षमताओं में किस प्रकार वृद्धि की है? (ii) वैश्वीकरण के बावजूद भी समकालीन विश्व राजनीति में राज्यों की प्रासंगिकता किस प्रकार बनी हुई है? 4 दूसरे विश्वयुद्ध के बाद शीतयुद्ध का दौर चला और इस दौर में संयुक्त राष्ट्र अमरीका के नेतृत्व वाला पश्चिमी गुट तथा सोवियत संघ की अगुवाई वाला साम्यवादी गुट एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय था। इसके अतिरिक्त, कुछ यूरोपीय देशों को अपने उपनिवेशों में उपनिवेशीकृत जनता के खून-खराबे की चिंता भी साता रही थी। अब ये लोग आजादी चाहते थे। (i) संयुक्त राष्ट्र अमरीका तथा सोवियत संघ को एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय क्यों था?			
D. मुबारक अब्दुल्ला प्रश्न संख्या 3-4 स्रोत आधारित (Source Based) हैं। इनका ध्यानपूर्वक अध्ययन कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिये- 3 विश्व की राजनीति में अब भी विभिन्न देशों के बीच मौजूद पुरानी ईष्यां और प्रतिद्वंदिता की दखल है। राज्य कानून और व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अपने अनिवार्य कार्यों को पूरा कर रहे हैं और बहुत सोच समझकर अपने कदम उन्हीं दायरों में दायरों से खींच रहे हैं जहां उनकी मर्ज़ी हो। राज्य अभी भी महत्वपूर्ण बने हुए हैं। वस्तुतः कुछ मायनों में वैश्वीकरण के फलस्वरूप राज्य की ताकत में इज़ाफा हुआ है अब राज्यों के हाथ में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी मौजूद है जिसके बूते राज्य अपने नागरिकों के बारे में सूचनाएं जुटा सकते हैं। (i) वैश्वीकरण ने राज्य की क्षमताओं में किस प्रकार वृद्धि की है? (ii) वैश्वीकरण के बावजूद भी समकालीन विश्व राजनीति में राज्यों की प्रासंगिकता किस प्रकार बनी हुई है? 4 दूसरे विश्वयुद्ध के बाद शीतयुद्ध का दौर चला और इस दौर में संयुक्त राष्ट्र अमरीका के नेतृत्व वाला पश्चिमी गुट तथा सोवियत संघ की अगुवाई वाला साम्यवादी गुट एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय था। इसके अतिरिक्त, कुछ यूरोपीय देशों को अपने उपनिवेशों में उपनिवेशीकृत जनता के खून-खराबे की चिंता भी साता रही थी। अब ये लोग आजादी चाहते थे। (i) संयुक्त राष्ट्र अमरीका तथा सोवियत संघ को एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय क्यों था?			
प्रश्न संख्या 3-4 म्रोत आधारित (Source Based) हैं। इनका ध्यानपूर्वक अध्ययन कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिये- 3 विश्व की राजनीति में अब भी विभिन्न देशों के बीच मौजूद पुरानी ईष्यां और प्रतिद्वंदिता की दखल है। राज्य कानून और व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अपने अनिवार्य कार्यों को पूरा कर रहे हैं और बहुत सोच समझकर अपने कदम उन्हीं दायरों में दायरों से खींच रहे हैं जहां उनकी मर्ज़ी हो। राज्य अभी भी महत्वपूर्ण बने हुए हैं। वस्तुतः कुछ मायनों में वैश्वीकरण के फलस्वरूप राज्य अभी ताकत में इज़ाफा हुआ है अब राज्यों के हाथ में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी मौजूद है जिसके बूते राज्य अपने नागरिकों के बारे में सूचनाएं जुटा सकते हैं। (i) वैश्वीकरण ने राज्य की क्षमताओं में किस प्रकार वृद्धि की है? (ii) वैश्वीकरण के बावजूद भी समकालीन विश्व राजनीति में राज्यों की प्रासंगिकता किस प्रकार बनी हुई है? 4 दूसरे विश्वयुद्ध के बाद शीतयुद्ध का दौर चला और इस दौर में संयुक्त राष्ट्र अमरीका के नेतृत्व वाला पश्चिमी गुट तथा सोवियत संघ की अगुवाई वाला साम्यवादी गुट एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय था। इसके अतिरिक्त, कुछ यूरोपीय देशों को अपने उपनिवेशों में उपनिवेशीकृत जनता के खून-खराबे की चिंता भी साता रही थी। अब ये लोग आजादी चाहते थे। (i) संयुक्त राष्ट्र अमरीका तथा सोवियत संघ को एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय क्यों था?			
इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिये- 3 विश्व की राजनीति में अब भी विभिन्न देशों के बीच मौजूद पुरानी ईर्ष्या और प्रतिद्वंदिता की दखल है। राज्य कानून और व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अपने अनिवार्य कार्यों को पूरा कर रहे हैं और बहुत सोच समझकर अपने कदम उन्हीं दायरों में दायरों से खींच रहे हैं जहां उनकी मर्ज़ी हो। राज्य अभी भी महत्वपूर्ण बने हुए हैं। वस्तुतः कुछ मायनों में वैश्वीकरण के फलस्वरूप राज्य भी ताकत में इज़ाफा हुआ है अब राज्यों के हाथ में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी मौजूद है जिसके बूते राज्य अपने नागरिकों के बारे में सूचनाएं जुटा सकते हैं। (i) वैश्वीकरण ने राज्य की क्षमताओं में किस प्रकार वृद्धि की है? (ii) वैश्वीकरण के बावजूद भी समकालीन विश्व राजनीति में राज्यों की प्रासंगिकता किस प्रकार बनी हुई है? 4 दूसरे विश्वयुद्ध के बाद शीतयुद्ध का दौर चला और इस दौर में संयुक्त राष्ट्र अमरीका के नेतृत्व वाला पश्चिमी गुट तथा सोवियत संघ की अगुवाई वाला साम्यवादी गुट एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय था। इसके अतिरिक्त, कुछ यूरोपीय देशों को अपने उपनिवेशों में उपनिवेशीकृत जनता के खून-खराबे की चिंता भी साता रही थी। अब ये लोग आजादी चाहते थे। (i) संयुक्त राष्ट्र अमरीका तथा सोवियत संघ को एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय क्यों था?		D. मुबारक जब्दुल्ला	
3 विश्व की राजनीति में अब भी विभिन्न देशों के बीच मौजूद पुरानी ईर्ष्या और प्रतिद्वंदिता की दखल है। राज्य कानून और व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अपने अनिवार्य कार्यों को पूरा कर रहे हैं और बहुत सोच समझकर अपने कदम उन्हीं दायरों में दायरों से खींच रहे हैं जहां उनकी मर्ज़ी हो। राज्य अभी भी महत्वपूर्ण बने हुए हैं। वस्तुतः कुछ मायनों में वैश्वीकरण के फलस्वरूप राज्य की ताकत में इज़ाफा हुआ है अब राज्यों के हाथ में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी मौजूद है जिसके बूते राज्य अपने नागरिकों के बारे में सूचनाएं जुटा सकते हैं। (i) वैश्वीकरण ने राज्य की क्षमताओं में किस प्रकार वृद्धि की है? (ii) वैश्वीकरण के बावजूद भी समकालीन विश्व राजनीति में राज्यों की प्रासंगिकता किस प्रकार बनी हुई है? 4 दूसरे विश्वयुद्ध के बाद शीतयुद्ध का दौर चला और इस दौर में संयुक्त राष्ट्र अमरीका के नेतृत्व वाला पश्चिमी गुट तथा सोवियत संघ की अगुवाई वाला साम्यवादी गुट एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय था। इसके अतिरिक्त, कुछ यूरोपीय देशों को अपने उपनिवेशों में उपनिवेशीकृत जनता के खून-खराबे की चिंता भी साता रही थी। अब ये लोग आजादी चाहते थे। (i) संयुक्त राष्ट्र अमरीका तथा सोवियत संघ को एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय क्यों था?		प्रश्न संख्या 3-4 स्रोत आधारित (Source Based) हैं। इनका ध्यानपूर्वक अध्ययन कर	
प्रतिद्वंदिता की दखल है। राज्य कानून और व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अपने अनिवार्य कार्यों को पूरा कर रहे हैं और बहुत सोच समझकर अपने कदम उन्हीं दायरों में दायरों से खींच रहे हैं जहां उनकी मर्ज़ी हो। राज्य अभी भी महत्वपूर्ण बने हुए हैं। वस्तुतः कुछ मायनों में वैश्वीकरण के फलस्वरूप राज्य की ताकत में इज़ाफा हुआ है अब राज्यों के हाथ में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी मौजूद है जिसके बूते राज्य अपने नागरिकों के बारे में सूचनाएं जुटा सकते हैं। (i) वैश्वीकरण ने राज्य की क्षमताओं में किस प्रकार वृद्धि की है? (ii) वैश्वीकरण के बावजूद भी समकालीन विश्व राजनीति में राज्यों की प्रासंगिकता किस प्रकार बनी हुई है? 4 दूसरे विश्वयुद्ध के बाद शीतयुद्ध का दौर चला और इस दौर में संयुक्त राष्ट्र अमरीका के नेतृत्व वाला पश्चिमी गृट तथा सोवियत संघ की अगुवाई वाला साम्यवादी गृट एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय था। इसके अतिरिक्त, कुछ यूरोपीय देशों को अपने उपनिवेशों में उपनिवेशीकृत जनता के खून-खराबे की चिंता भी साता रही थी। अब ये लोग आजादी चाहते थे। (i) संयुक्त राष्ट्र अमरीका तथा सोवियत संघ को एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय क्यों था?		इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिये-	
खींच रहे हैं जहां उनकी मर्ज़ी हो । राज्य अभी भी महत्वपूर्ण बने हुए हैं । वस्तुतः कुछ मायनों में वैश्वीकरण के फलस्वरूप राज्य की ताकत में इज़ाफा हुआ है अब राज्यों के हाथ में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी मौजूद है जिसके बूते राज्य अपने नागरिकों के बारे में सूचनाएं जुटा सकते हैं। (i) वैश्वीकरण ने राज्य की क्षमताओं में किस प्रकार वृद्धि की है? (ii) वैश्वीकरण के बावजूद भी समकालीन विश्व राजनीति में राज्यों की प्रासंगिकता किस प्रकार बनी हुई है? 4 दूसरे विश्वयुद्ध के बाद शीतयुद्ध का दौर चला और इस दौर में संयुक्त राष्ट्र अमरीका के नेतृत्व वाला पश्चिमी गुट तथा सोवियत संघ की अगुवाई वाला साम्यवादी गुट एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय था। इसके अतिरिक्त, कुछ यूरोपीय देशों को अपने उपनिवेशों में उपनिवेशीकृत जनता के खून-खराबे की चिंता भी साता रही थी। अब ये लोग आजादी चाहते थे। (i) संयुक्त राष्ट्र अमरीका तथा सोवियत संघ को एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय क्यों था?	3	· •	
मायनों में वैश्वीकरण के फलस्वरूप राज्य की ताकत में इज़ाफा हुआ है अब राज्यों के हाथ में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी मौजूद है जिसके बूते राज्य अपने नागरिकों के बारे में सूचनाएं जुटा सकते हैं। (i) वैश्वीकरण ने राज्य की क्षमताओं में किस प्रकार वृद्धि की है? (ii) वैश्वीकरण के बावजूद भी समकालीन विश्व राजनीति में राज्यों की प्रासंगिकता किस प्रकार बनी हुई है? 4 दूसरे विश्वयुद्ध के बाद शीतयुद्ध का दौर चला और इस दौर में संयुक्त राष्ट्र अमरीका के नेतृत्व वाला पश्चिमी गुट तथा सोवियत संघ की अगुवाई वाला साम्यवादी गुट एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय था। इसके अतिरिक्त, कुछ यूरोपीय देशों को अपने उपनिवेशों में उपनिवेशीकृत जनता के खून-खराबे की चिंता भी साता रही थी। अब ये लोग आजादी चाहते थे। (i) संयुक्त राष्ट्र अमरीका तथा सोवियत संघ को एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय क्यों था?		कार्यों को पूरा कर रहे हैं और बहुत सोच समझकर अपने कदम उन्हीं दायरों में दायरों से	
में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी मौजूद है जिसके बूते राज्य अपने नागरिकों के बारे में सूचनाएं जुटा सकते हैं। (i) वैश्वीकरण ने राज्य की क्षमताओं में किस प्रकार वृद्धि की है? (ii) वैश्वीकरण के बावजूद भी समकालीन विश्व राजनीति में राज्यों की प्रासंगिकता किस प्रकार बनी हुई है? 4 दूसरे विश्वयुद्ध के बाद शीतयुद्ध का दौर चला और इस दौर में संयुक्त राष्ट्र अमरीका के नेतृत्व वाला पश्चिमी गुट तथा सोवियत संघ की अगुवाई वाला साम्यवादी गुट एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय था। इसके अतिरिक्त, कुछ यूरोपीय देशों को अपने उपनिवेशों में उपनिवेशीकृत जनता के खून-खराबे की चिंता भी साता रही थी। अब ये लोग आजादी चाहते थे। (i) संयुक्त राष्ट्र अमरीका तथा सोवियत संघ को एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय क्यों था?		<u> </u>	
जुटा सकते हैं। (i) वैश्वीकरण ने राज्य की क्षमताओं में किस प्रकार वृद्धि की है? (ii) वैश्वीकरण के बावजूद भी समकालीन विश्व राजनीति में राज्यों की प्रासंगिकता किस प्रकार बनी हुई है? 4 दूसरे विश्वयुद्ध के बाद शीतयुद्ध का दौर चला और इस दौर में संयुक्त राष्ट्र अमरीका के नेतृत्व वाला पश्चिमी गुट तथा सोवियत संघ की अगुवाई वाला साम्यवादी गुट एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय था। इसके अतिरिक्त, कुछ यूरोपीय देशों को अपने उपनिवेशों में उपनिवेशीकृत जनता के खून-खराबे की चिंता भी साता रही थी। अब ये लोग आजादी चाहते थे। (i) संयुक्त राष्ट्र अमरीका तथा सोवियत संघ को एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय क्यों था?			
(i) वैश्वीकरण ने राज्य की क्षमताओं में किस प्रकार वृद्धि की है? (ii) वैश्वीकरण के बावजूद भी समकालीन विश्व राजनीति में राज्यों की प्रासंगिकता किस प्रकार बनी हुई है? 4 दूसरे विश्वयुद्ध के बाद शीतयुद्ध का दौर चला और इस दौर में संयुक्त राष्ट्र अमरीका के नेतृत्व वाला पश्चिमी गुट तथा सोवियत संघ की अगुवाई वाला साम्यवादी गुट एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय था। इसके अतिरिक्त, कुछ यूरोपीय देशों को अपने उपनिवेशों में उपनिवेशीकृत जनता के खून-खराबे की चिंता भी साता रही थी। अब ये लोग आजादी चाहते थे। (i) संयुक्त राष्ट्र अमरीका तथा सोवियत संघ को एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय क्यों था?			
(ii) वैश्वीकरण के बावजूद भी समकालीन विश्व राजनीति में राज्यों की प्रासंगिकता किस प्रकार बनी हुई है? 4 दूसरे विश्वयुद्ध के बाद शीतयुद्ध का दौर चला और इस दौर में संयुक्त राष्ट्र अमरीका के नेतृत्व वाला पश्चिमी गुट तथा सोवियत संघ की अगुवाई वाला साम्यवादी गुट एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय था। इसके अतिरिक्त, कुछ यूरोपीय देशों को अपने उपनिवेशों में उपनिवेशीकृत जनता के खून-खराबे की चिंता भी साता रही थी। अब ये लोग आजादी चाहते थे। (i) संयुक्त राष्ट्र अमरीका तथा सोवियत संघ को एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय क्यों था?		3	3
प्रकार बनी हुई है? 4 दूसरे विश्वयुद्ध के बाद शीतयुद्ध का दौर चला और इस दौर में संयुक्त राष्ट्र अमरीका के नेतृत्व वाला पश्चिमी गुट तथा सोवियत संघ की अगुवाई वाला साम्यवादी गुट एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय था। इसके अतिरिक्त, कुछ यूरोपीय देशों को अपने उपनिवेशों में उपनिवेशीकृत जनता के खून-खराबे की चिंता भी साता रही थी। अब ये लोग आजादी चाहते थे। (i) संयुक्त राष्ट्र अमरीका तथा सोवियत संघ को एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय क्यों था?			
नेतृत्व वाला पश्चिमी गुट तथा सोवियत संघ की अगुवाई वाला साम्यवादी गुट एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय था। इसके अतिरिक्त, कुछ यूरोपीय देशों को अपने उपनिवेशों में उपनिवेशीकृत जनता के खून-खराबे की चिंता भी साता रही थी। अब ये लोग आजादी चाहते थे। (i) संयुक्त राष्ट्र अमरीका तथा सोवियत संघ को एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय क्यों था?			Ü
सैन्य हमले का भय था। इसके अतिरिक्त, कुछ यूरोपीय देशों को अपने उपनिवेशों में उपनिवेशोंकृत जनता के खून-खराबे की चिंता भी साता रही थी। अब ये लोग आजादी चाहते थे। (i) संयुक्त राष्ट्र अमरीका तथा सोवियत संघ को एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय क्यों था?	4	दूसरे विश्वयुद्ध के बाद शीतयुद्ध का दौर चला और इस दौर में संयुक्त राष्ट्र अमरीका के	
उपनिवेशीकृत जनता के खून-खराबे की चिंता भी साता रही थी। अब ये लोग आजादी चाहते थे। (i) संयुक्त राष्ट्र अमरीका तथा सोवियत संघ को एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय क्यों था?		नेतृत्व वाला पश्चिमी गुट तथा सोवियत संघ की अगुवाई वाला साम्यवादी गुट एक-दूसरे से	
चाहते थे। (i) संयुक्त राष्ट्र अमरीका तथा सोवियत संघ को एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय क्यों 3 था?			
(i) संयुक्त राष्ट्र अमरीका तथा सोवियत संघ को एक-दूसरे से सैन्य हमले का भय क्यों था?			
था?			
		, ,	3
			3

	निम्न सम्बद्धित का ध्यान मर्वक अध्यान का का मा अध्यानित मध्ये के उन्हें जिल्हा ।	
5	दिए गए कार्टून का ध्यान पूर्वक अध्ययन कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।	
	RATA PRASE NEW YORK OF THE PARTY OF THE PART	
	(i) कार्टून में दिखाए गए शेर तथा बाघ किन-किन सम्दायों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं?	2
	(ii) कार्टून में दिखाए गए व्यक्ति कौन है? अपने देश की समस्या का समाधान उन्होने	1+1=2
	किस प्रकार किया?	
	खंड-बी (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)	
	प्रश्न संख्या 6 से 21 तक दिये गये वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दिये गए निर्देशोंनुसार दीजिये	
	प्रश्न संख्या 6 से 12 तक दिये गये बहु विकल्पीय प्रश्नों में एक सही विकल्प का चयन	1
	कर अपनी उत्तर - पुस्तिका में लिखिए-	
6	सोवियत अर्थव्यवस्था के विषय में कौन सा विकल्प सही है-	
	 सोवियत अर्थव्यवस्था में पूंजीवादी अर्थव्यवस्था थी। 	
	 लोगों को विचारों को अभिव्यक्त करने की आजादी थी 	
	III. उत्पादन के साधनों पर राज्य का नियंत्रण था।	
	IV. अर्थव्यवस्था के हर पहलू का नियोजन और नियंत्रण राज्य करता था।	
	A. I, II	
	B. III, IV	
	C. I, III	
	D. II, IV	
7	स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारत में लगभग कितनी रियासतें थीं ?	1
	A. 400	
	B. 555	
	C. 565	
	D. 700	

8	निम्नलिखित में से किस देश के पास वीटो अधिकार नहीं है ?	1
	A. जापान	
	B. चीन	
	C. फ्रांस	
	D. 枣 स	
9	विश्व का पहला बांध विरोधी आंदोलन कहाँ ह्आ?	1
	э A. नार्वे	
	B. फ़िनलैंड	
	C. ऑस्ट्रेलिया	
10	स्रक्षा की कितनी धारणाएँ हैं-	1
	A. एक	
	B. दो	
	C. तीन	
	D. चार	
11	नीति आयोग का पदेन अध्यक्ष कौन होता है?	1
	A. राष्ट्रपति	
	B. उप-राष्ट्रपति	
	C. प्रधानमंत्री	
	D. सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश	
12	वैश्वीकरण के विषय में कौन सा कथन असत्य है-	1
	A. यह एक बह्आयामी प्रक्रिया है	
	B. वैश्वीकरण और भूमंडलीकरण एक ही है	
	C. यह केवल एक आर्थिक परिघटना है	
	D. यह विभिन्न देशों के बीच जुड़ाव है।	
	प्रश्न संख्या 13 से 16 तक के दिये गये प्रश्नों में रिक्त-स्थान की पूर्ति कीजिये-	
13	योजना आयोग को स्थापना वर्षमें हुई।	1
14	वैश्वीकरण को बढ़ावा देने मेंकी प्रमुख भूमिका है।	1
15	बी. डब्लू. सी. (BWC) का पूर्ण रूपहै।	1

16	सोवियत संघ में 70 वर्षों तक प्रमुख रूप सेपार्टी ने शासन किया।	1
	प्रश्न संख्या 17 से 19 तक के दिये गये प्रश्नों का अध्ययन कर उत्तरपुस्तिका में सही अथवा गलत लिखिए-	
17	सोवियत संघ के विघटन के बाद विश्व में एक ध्रुवीय विश्व की स्थापना हुई।	1
18	बारदोली सत्याग्रह 1918 में हुआ था।	1
19	क्योटो प्रोटोकाल 1997 में हुआ।	1
	प्रश्न संख्या 20-21 का उत्तर संक्षिप्त उत्तर लिखिए-	
20	प्रथम खाड़ी युद्ध किन देशों के बीच हुआ था।	1
21	संयुक्त राष्ट्र संघ का मुख्य अंग कौन सा है। अथवा संयुक्त राष्ट्र संघ का मुख्यालय कहाँ है?	1
	खंड-सी (वर्णनात्मक प्रश्न)	
	दो अंकीय प्रश्न-	
22	स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्रकुल देशों (CIS) के समूह में से किन्हीं दो देशों में व्याप्त तनाव का उल्लेख कीजिये।	2
23	प्राकृतिक संसाधनों को किस प्रकार सुरक्षित रखा जा सकता है? कोई दो उपाय लिखिए।	2
24	एकध्रुवीय विश्व का आविर्भाव कब हुआ? इसका समकालीन विश्व में क्या प्रभाव हुआ?	1+1=2
	चार अंकीय प्रश्न-	
25	वैश्वीकरण ने भारत के आर्थिक विकास को तीव्र करने में क्या योगदान दिया है?	4
26	संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्य अंग सुरक्षा परिषद का विश्व शांति में क्या योगदान है? अथवा	4
	यूनिसेफ के मुख्य कार्यों का वर्णन कीजिये। वर्णन कीजिये।	
27	सुरक्षा का समकालीन राजनीति के संदर्भों में क्या अभिप्राय है? इसके विभिन्न प्रकार	2+2=4

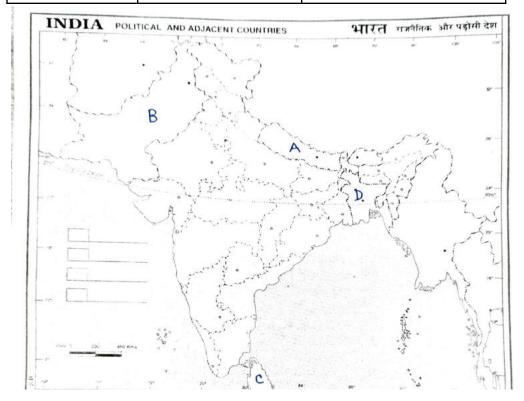
	١		١		- 77.	_
क	٩	-क	٩	[₹	हैं 1	'?

अथवा

भारत की सुरक्षा नीति के प्रमुख घटक कौन-कौन से हैं?

28 नीचे दिये गए मानचित्र में ए, बी, सी और डी से चार देश दर्शाये गए हैं। दी गयी 4x1=4 जानकारी के आधार पर इन देशों की पहचान कीजिए और अपनी उत्तरपुस्तिका में निम्नलिखित तालिका के रूप में लिखिए।

क्रम संख्या	संबन्धित अक्षर	देश का नाम
1		
2		
3		
4		



- 1. 1987 में भारत ने जिस देश में शांति सेना भेजी.
- 2. वह देश जो भारत की 'पूरब चलो' की नीति का हिस्सा है.
- 3. दक्षिण एशिया का चारों तरफ से भूमि से घिरा देश.
- 4. वह देश जहां वर्ष 1999 के बाद सैनिक तख्तापलट हुआ।

	छह अंकीय प्रश्न-	
29	भारतीय संघ में देसी रजवाड़ों के विलय में सरदार पटेल की भूमिका का वर्णन कीजिये । अथवा	6
	राष्ट्र निर्माण के दौरान रियासतों के एकीकरण में कौन-कौन सी समस्याएं आयीं। सविस्तार लिखिए।	
30	आजादी के बाद भारतीय आर्थिक विकास की बदलती प्रवर्तियों का उल्लेख कीजिये।	6
	अथवा	
	भारत में प्रथम और द्वितीय पंचवर्षीय योजनाओं की उपलब्धियों ने भारत के नियोजित	
	विकास में किस प्रकार योगदान दिया?	
31	नेपाल में लोकतान्त्रीकरण की प्रक्रिया में विभिन्न दलों की भूमिका को स्पष्ट कीजिये।	6
	अथवा	
	ऐसे किन्ही तीन प्रमुख कारकों का मूल्यांकन कीजिए, जो यूरोपीय संघ को आर्थिक सहयोग	
	वाली संस्था से बदल कर, एक राजनीतिक रूप देने के लिए उत्तरदायी हैं।	